# श्याम के दरबार से झोली भर कर जायेंगे श्याम के दरबार

दरशन करने आए
दरशन करके जाएंगे
श्याम के दरबार से
झोली भर कर जायेंगे

बहुत दिनों से थी अभिलासा
श्याम का दर्शन पाने की
आज हुई है पूरी आशा
श्याम से नैन मिलाने की
आंखो आंखो में बाते
कुछ करके जाएंगे
श्याम के दरबार
से झाली भर कर जायेंगे
श्याम के दरबार
से झोली भर कर जायेंगे
दरशन करने आए
दरशन करके जाएंगे
फ़िकर तुम्हें है हम बच्चों की
जो दोगे ले लेंगे हम
जिस रस्ते की राह दिखाओ
इस रस्ते चल देंगे हम
चलते चलते तेरी
जय जयकार लगाएंगे
श्याम के दरबार
से झोली भर कर जायेंगे
श्याम के दरबार
से झोली भर कर जायेंगे

जब जब तेरी याद सताए
आकर दर्शन दे देना
हर ग्यारस पर हमको बाबा
खाटु धाम बुला लेना
तेरी नगरी में आकर
हम मोंज उड़ाएंगे
श्याम के दरबार
से झोली भर कर जायेगे

श्याम तेरा परिवार बड़ा है

तुझ पर सबका डेरा है
(बिनू) कहता धन्य धन्य प्रभु
बहुत बड़ा दिल तेरा है
दूजा कोई और न जम में
तुझसा पाएंगे
श्याम के दरबार
से झाली भर कर जायेंगे
श्याम के दरबार
से झोली भर कर जायेंगे
दरशन करने आए
दस्शन करक जाएंगे
श्याम के दरबार
से झोली भर कर जायेंगे
श्याम के दरबार
से झोली भर कर जायेगे